संस्कृत विभाग
DEPARTMENT OF SANSKRIT
कला, संचार एवं भाषा संकाय
SCHOOL OF ARTS, COMMUNICATION AND LANGUAGES

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप
According to NEP 2020

चतुर्वर्षीय स्नातक कक्षा के प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम
1st YEAR'S SYLLABUS OF
FOUR-YEAR UNDER GRADUATION PROGRAMME

2025-2026 से प्रवृत्त
W.E.F. SESSION 2025-2026

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
श्रीनगर गढवाल, उत्तराखण्ड

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY
(A CENTRAL UNIVERSITY)
SRINAGAR GARHWAL, UTTARAKHAND

SYLLABUS PROPOSED FOR FIRST YEAR UG (FYUP)
UNDER NEP-2020
DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

Course Category	Semester-I				Semester-II		
	Subject/Title	No. of paper	Credits		Subject /Title	No. of paper	Credits
Discipline Specific core	**DSC Subject-I**	**1**	**4**		**DSC Subject-I**	**1**	**4**
	DSC Subject-II	**1**	**4**		**DSC Subject-II**	**1**	**4**
M.D/I.D (Subject-1)	**M.D-I/ I.D-I**	**1**	**4**		**M.D-I/ I.D-I**	**1**	**4**
M.D/I.D (Subject-2)	**M.D-I/ I.D-I**	**1**	**4**		**M.D-I/ I.D-I**	**1**	**4**
SEC/AEC	**Field work/SEC/ Communication Skills or AMSC/Field Work/SEC**	**1**	**2**		**AMSC/Field work/SEC/ or Field Work/SEC/ Communication Skills**	**1**	**2**
VAC	**Understanding and connecting with environment Or Life Skills & personality development**	**1**	**2**		**Understanding and connecting with environment Or Life Skills & personality development**	**1**	**2**
Total		**6**	**20**			**6**	**20**
NHEQF Level 4.5	***Student on exit after successfully completing first year (i.e., securing minimum required 40 credits + 4 Credits in one Vocational Course/Skills-Enhancement Course of 4 credits) will be awarded "Undergraduate Certificate" of one year, in related field/discipline/subject.***						

- ***The student may opt for any one course from Field Work/ Skill Enhancement Course (SEC)/ Communication Skills in one semester, and any one course from Additional Multidisciplinary Skill Course (AMSC)/ Field Work/ Skill Enhancement Course (SEC) in the other semester.***
- ***Field Work/Discipline Specific Skill Enhancement Course (SEC)- [SEC related to any one discipline subject opted by student as a DSC in the first year]. In addition to providing students with practical, experience-based learning, fieldwork aims to expose them to realworld socio-economic and societal challenges, allowing them to bridge the gap between theory and practice and develop effective solutions to real-life problems.***

- ***AMSC: Additional Multidisciplinary Skill Course (is offered as SEC) Following are the courses offered under AMSC under the FYUP, University may add new courses under AMSC in future:***
  1. ***Plant Nursery Development and Management***
  2. ***Basic Yoga Practices***
  3. ***Physical Education and Sports Management***
  4. ***Regional Folklores and their Cultural Context***
  5. ***Indian Traditional Music***
  6. ***Tour and Travel Operations***
- ***Communication Skills (AEC): Communication Skills course will be offered in Hindi, English and Sanskrit Languages, student may opt any one language for studying the course***
- ***Life Skill & Personality Development (VAC)***
- ***Understanding and Connecting with Environment (VAC)***

Ist Semester (प्रथमसत्रम्)-

DSC-I :	**नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद**	**(4)**
MD-I:	**संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना**	**(4)**
SEC/AEC	**आयुर्वेद का सामान्य परिचय**	**(2)**
	Or	
	संस्कृत सम्भाषण दक्षता	
VAC	**पर्यावरणीय सम्पर्क एवं संज्ञान** (विश्वविद्यालय द्वारा)	**(2)**

IIst Semester (द्वितीयसत्रम्)-

DSC-I	**नाटक, छन्द एवम् अलंकार**	**(4)**
MD-I:	**संस्कृत साहित्य में नैतिकता**	**(4)**
AMSC	**(विश्वविद्यालय द्वारा)**	**(2)**
VAC	**जीवन कौशल एवं व्यक्तित्त्व विकास**	**(2)**

SYLLABUS OF FYUP
(DEPARTMENT OF SANSKRIT)
I[st] Semester (प्रथम सत्र)-

DSC-I :

नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद **CREDITS – 04**

इकाई-1 : **नीतिशतक**
इकाई-2 : **हितोपदेश (मित्रलाभ)**
इकाई-3 : **व्याकरण (संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण-लघुसिद्धान्तकौमुदी)**
इकाई-4 : **हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद**

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ-

1. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, आगरा-2, महालक्ष्मी प्रकाशन
2. भर्तृहरि, नीतिशतकम्, अनुवादक और संस्कर्ता जनार्दन शास्त्रीपाण्डेय, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 2014
3. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, अमरभारती प्रकाशन वाराणसी
4. नारायणपण्डित, हितोपदेश, सम्पादक जीवानन्द विद्यासागर, कालिकाता
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) - रश्मिकला संस्कृत हिन्दी व्याकरण सहित
6. वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी: भाग-1, व्याख्याकार भीमसेनशास्त्री, दिल्ली भैमी प्रकाशन
7. वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी, प्राज्ञतोषिणी व्याख्याकार और सम्पादक श्रीधरानन्द शास्त्री घिल्डियाल

MD-I:

संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना **CREDITS – 04**

इकाई-1 : **वैदिक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना**
(ऋग्वेद 3.53.123,3.53.24,7.33.6; अथर्व.12.1.1-12; शुक्ल यजु०22.22;
शतपथ ब्राह्मण 9.4.1.1-5)

इकाई-2 : **पुराण एवं महाकाव्यों में राष्ट्रीय चेतना**
(विष्णु पु० 2.3; वाल्मीकि रामायण किष्किन्धा काण्ड अध्याय 46-48;
महाभारत शान्तिपर्व 56.5, 65.13-22; रघुवंश सर्ग-4)

इकाई-3 : **नीतिग्रन्थों में राष्ट्रीय चेतना**
(कौटिल्य अर्थशास्त्र सप्ताङ्ग सिद्धान्त, अध्याय 6; शुक्रनीति 1.61-62)

इकाई-4 : **आधुनिक संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना**
(भारतविजयम् नाटक (मथुरा प्रसाद दीक्षित); सत्याग्रहगीता (पण्डिता क्षमाराव); गाँधीचरितम् (चारूदेव शास्त्री); शिवराजविजयम् (अम्बिकादत्त व्यास) एवं डॉ० सत्यव्रत शास्त्री, डॉ० हरिनारायण दीक्षित, डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी, डॉ० अभिराजराजेन्द्र मिश्र, डॉ० हरिदत्त शर्मा आदि की राष्ट्रपरक कविताएँ

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ-

1. कौटिल्य अर्थशास्त्रम्, हिन्दी अनुवादक- उदयवीर शास्त्री, मेहरचन्द लक्ष्मनदास, दिल्ली, 1968
2. महाभारत (1-6 भाग), हिन्दी अनुवादक- रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय, गीताप्रेस गोरखपुर
3. शतपथब्राह्मण (1-5 भाग), माध्यन्दिनशाखीय भाष्यकार- सायण और हरिस्वामी, दिल्ली
4. शुक्रनीति, हिन्दी अनुवाद और सम्पादक-ब्रह्माशंकर मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सिरीज, वाराणसी, 1968
5. श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (1-2 भाग), हिन्दी अनुवाद सहित, सम्पादक-जानकी नाथ शर्मा, गोरखपुर
6. पुराण विमर्श, आचार्य बलदेव उपाध्याय
7. यजुर्वेद (हिन्दी अनुवाद सहित) अनुवादक -श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारड़ी,
8. विष्णुपुराणम् (हिन्दी अनुवाद सहित) अनुवादक- मुनिलाल गुप्त, गीताप्रेस गोरखपुर
9. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य, शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2007
10. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र, शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2013
11. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना, हरिनारायण दीक्षित, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2006
12. पुराणों में राष्ट्रीय एकता, पुष्पेन्द्र कुमार, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली-14
13. संस्कृत वाङ्मय में राष्ट्रीय चेतना, डॉ० विजय कुमार कर्ण, हिन्दुस्तान एकेडमी, प्रयागराज।

SEC/AEC:

आयुर्वेद का सामान्य परिचय **CREDITS - 02**

इकाई-1 : **आयुर्वेद का इतिहास एवं प्रमुख आचार्य**
इकाई-2 : **आयुर्वेद के प्रमुख दो सम्प्रदाय**
इकाई-3 : **चरक संहिता (सूत्रस्थान)**
इकाई-4 : **षड्-ऋतुचर्या**

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ-

1. चरक संहिता, सम्पादक-ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
2. आयुर्वेद का इतिहास, आदिदेव विद्यालंकार,
3. चरक-चिन्तन, प्रियव्रत शर्मा,

SEC/AEC:

संस्कृत सम्भाषण दक्षता **CREDITS 02**

इकाई-1 : **संवाद कौशल-**
(संस्कृत में दैनिक व्यवहार)
इकाई-2 : **लेखन कौशल**
(संस्कृत में पत्र लेखन-पिता के लिए, पुस्तक विक्रेता के लिए, आमन्त्रण-पत्र)
इकाई-3 : **शब्दरूप, धातुरूप एवं संख्या**
शब्दरूप- राम, हरि, गुरु, पितृ, रमा, नदी, मातृ, फल, तत्, अस्मद्, युष्मद्

धातुरूप- अस्, भू, गम् पठ, दृश्
1 से 100 तक संस्कृत संख्या

इकाई-4 : **संस्कृत व्यावहारिक शब्दावली**
(वस्तु, सम्बन्ध, शरीर के अंग, पशु-पक्षियों के नाम)

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ-

1. द्विवेदी, कपिलदेव, प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2011
2. द्विवेदी, कपिलदेव, रचनानुवादकौमुदी, वाराणसी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन 2013
3. नौटियाल, चक्रधर हंस, बृहदनुवार्चंद्रिका, दिल्ली, मोती लाल बनारसीदास, 2013
4. पत्राचार द्वारा संस्कृतम् (प्रवेश) हरिद्वार संस्कृत भारती, 2014
5. संस्कृत-व्यवहार-साहस्री, नई दिल्ली, संस्कृत भारती मातामन्दिर गली झण्डेवाला, 1998
6. वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी, प्राज्ञतोषणी व्याख्याकार और सम्पादक श्रीधरानन्द शास्त्री घिल्डियाल, दिल्ली मोती लाल बनारसीदास, 1977
7. व्यावहारिक सस्कृत प्रशिक्षक, डॉ० विजय कुमार कर्ण उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।

VAC:
पर्यावरणीय सम्पर्क एवं संज्ञान **CREDITS - 02**

(विश्वविद्यालय द्वारा)

SYLLABUS OF FYUP
(DEPARTMENT OF SANSKRIT)
IInd Semester (द्वितीय सत्र)-

DSC-I :
नाटक, छन्द एवम् अलंकार **CREDITS - 04**

इकाई-1 : **नाटक-**
(अभिज्ञानशाकुन्तलम् सम्पूर्ण)

इकाई-2 : **नाटकीय पारिभाषिक शब्दावली-**
(नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, विदूषक, नेपथ्य, स्वगत, जनान्तिक, आकाशभाषित, भरतवाक्य)

इकाई-3 : **अलंकार-**
(अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अपह्नुति, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति, निदर्शना, तुल्ययोगिता)

इकाई-4 : **छन्द-**
(अनुष्टुप, आर्या, इन्द्रवजा, उपेन्द्रवजा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्ग्रयात-वृत्तरत्नाकर से)

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ-

1. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, इलाहाबाद, साहित्य संस्थान, 37 कचेहरीमार्ग 1974
2. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, सम्पादक नारायणराम आचार्य, मुम्बई, निर्णयसागर प्रेस, 1883.
3. मम्मट, काव्यप्रकाश, हिन्दी अनुवाद सहित, व्याख्याकार और सम्पादक डॉ० श्रीनिवास शास्त्री, मेरठ, साहित्य भण्डार 1994
4. वृत्तरत्नाकर, पं० केदारभट्ट, व्याख्या पं० बलदेवउपाध्याय, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
5. दशरूपक, धनंजय विरचित, सावलोक चन्द्रकला हिन्दी व्याख्या सहित
6. Kalidasa The Abhijnanasakuntalam, Tran. & Ed.M.R.Kale. Delhi Motilal Banarasidass, 1977.
7. Bhatt, G.K. Sanskrit Drama, Dharwar University Press.

MD-I:
संस्कृत साहित्य में नैतिकता **CREDITS - 04**

(क) महाभारत

1. अर्द्धसत्य कथन (अश्वत्थामा हतः)
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के पंचम अंक में दुष्यन्त द्वारा शकुन्तला को ग्रहण न करने के पीछे के तर्क
3. युद्ध की आलोचना (महाभारत स्त्री पर्व अध्याय 13-15)
4. युद्धः आदर्श और यथार्थ मनु० अ07/87-93 199-200 कृष्ण की नीति
5. महाभारत में - प्रतिशोध भाव (अश्वत्थामा और दुर्योधन प्रसंग)

(ख) रामायण

1. एक राजा और पति के रूप में कर्तव्यों का संघर्ष (राजा रामचन्द्र के सन्दर्भ में)
2. आज्ञाकारिता और निष्ठा दशरथ पर लक्ष्मण का क्रोध एव शान्ति के लिए राम का तर्क

(ग) आत्मसम्मान (नीतिशतकम् 21-30)
(घ) स्वधर्म और स्थितप्रज्ञ (गीता 2 अध्याय)

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ-

1. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी अनुवाद सहित, गोरखपुर गीता प्रेस
2. शास्त्री, सुरेन्द्र देव, अभिज्ञानशाकुन्तलम् मेरठ साहित्य भण्डार
3. महाभारत (1-6 भाग) हिन्दी अनुवादक रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय, गोरखपुर गीताप्रेस
4. श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (1-2भाग) हिन्दी अनुवाद सहित, सम्पादक जानकी नाथ शर्मा गोरखपुर
5. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, आगरा-2, महालक्ष्मी प्रकाशन
6. भर्तृहरि, नीतिशतक, अनुवादक और संस्कर्ता जनार्दन शास्त्रीपाण्डेय, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 2014
7. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी

AMSC:

(विश्वविद्यालय द्वारा) **CREDITS - 02**

VAC:

पर्यावरणीय सम्पर्क एवं संज्ञान **CREDITS - 02**

(विश्वविद्यालय द्वारा)